सभी अखबारों में

एमटीएनएल

हमारे
सम्मानित उपभोक्ताओं से क्षमा याचना
तथा
आन्दोलनकारी एक्जीक्यूटिव्स से
अपील !

कुछ असंतुष्ट तत्वों द्वारा महत्वपूर्ण ऑप्टीकल केबलों को काट कर एमटीएनएल नेटवर्क में तोड़-फोड़ करने के कारण दिनांक 18.05.09 को एमटीएनएल की सेवाएँ प्रभावित हुई है। **हमारे सम्मानित उपभोक्ताओं को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है तथा हम विश्वास दिलाते हैं कि नेटवर्क के पुनर्स्थापन हेतु सभी आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं।** एमटीएनएल प्रबंधन अपनी दिल्ली स्टाफ यूनियन के साथ आन्दोलनकारी एक्जीक्यूटिव्स से ऐसी गतिविधियों को समाप्त करने की अपील करता है।

- यह देखा जा सकता है कि पिछले 5 वर्षों के दौरान एमटीएनएल का वार्षिक वेतन बिल रु. 1619 करोड़ से बढ़कर रु. 2152 करोड़ हो गया है जबकि राजस्व घटकर रु. 4487 करोड़ (लगभग) हो गया है।
- वर्तमान वेतन बिल में राजस्व का 48% हिस्सा खर्च हो जाता है।
- एमटीएनएल वेतनमानों को 5% के फिटमेन्ट लाभ के साथ संशोधित करने को सहमत है जबकि मांग 30% की है।
- एमटीएनएल ने यह भी कहा है कि जब वित्तीय स्थिति सुधरेगी, तब 5% के फिटमेन्ट लाभ पर भी पुनर्विचार किया जायेगा।
- निम्नतम स्तर एक्जीक्यूटिव के लिए कम्पनी पहले ही असीमित आंतरिक चिकित्सा सुविधा के साथ औसत रु. 4 लाख प्रति वर्ष खर्च कर रही है तथा एमटीएनएल के लिए वर्तमान में इससे अधिक वित्तीय भार वहन करना कठिन है।

नेटवर्क में तोड़-फोड़ करने की ऐसी घृणित गतिविधियों का सहारा लेकर न केवल उपभोक्ताओं को असुविधा पहुँचाई गयी है, बल्कि एमटीएनएल के हित को भी संकट में डाला गया है, क्योंकि ऐसी गतिविधियाँ प्रतियोगियों के सामने एमटीएनएल की स्थिति कमज़ोर करती हैं। हम, प्रबन्धन एवं स्टाफ यूनियन, आन्दोलनकारी एक्जीक्यूटिव्स से ऐसी गतिविधियों को समाप्त करने की अपील करते हैं क्योंकि एमटीएनएल प्रबन्धन वित्तीय स्थिति बेहतर होने पर फिटमेन्ट पर पुनर्विचार करने का उन्हें पहले ही आश्वासन दे चुका है।

एमटीएनएल प्रबन्धन

चौ. स्वरूप सिंह
महासचिव, स्टाफ यूनियन

एमटीएनएल

एमटीएनएल है तो सही है!

Visit us at: http://www.mtnldelhi.in